भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या-436

उत्तर देने की तारीख-02/02/2026

26वां विश्व पुस्तक मेला

†436. **श्री सुधीर गुप्ता:**

श्री चव्हाण रविन्द्र वसंतराव:

श्री धैर्यशील संभाजीराव माणे:

क्या ***शिक्षा*** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने हाल ही में 26वें विश्व पुस्तक मेले का उद्घाटन किया है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) उक्त मेले में दर्ज विषय, भाग लेने वाले देशों और प्रकाशकों का ब्यौरा क्या है;

(ग) उक्त पुस्तक मेले के आयोजन पर किए गए व्यय का ब्यौरा क्या है और इसके लिए धन के स्त्रोत क्या हैं;

(घ) क्या सरकार द्वारा इस आयोजन के दौरान भारतीय भाषाओं, क्षेत्रीय लेखकों, युवा लेखकों और डिजिटल प्रारूप में प्रकाशन को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष पहल की गई थी; और

(ङ) यदि हां, तो पठन संस्कृति, साक्षरता, प्रकाशन उद्योग के विकास और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने के संबंध में क्या परिणाम प्राप्त हुए हैं?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकांत मजूमदार)

(क) से (ङ): भारत सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 का निर्माण किया है जिसका उद्देश्य समग्र, बहुविषयक, सहज और छात्र-केंद्रित शिक्षा प्रदान करना है, जो आजीवन सीखने की प्रेरणा देता है। एनईपी उच्च गुणवत्ता वाली पुस्तकों विशेष रूप से भारतीय भाषाओं में, व्यवस्थित प्रकाशन, अनुवाद और प्रसार के माध्यम से उपलब्धता को सुदृढ़ करने के महत्व पर भी जोर देती है। यह

बहुभाषावाद को प्रेरित करने, पाठ्य सामग्री तक व्यापक पहुँच को सुनिश्चित करने और पूरे देश में समावेशी, न्यायसंगत और आजीवन सीखने की परिकल्पना करती है।

एनईपी 2020 की दृष्टि के अनुरूप, उच्चतर शिक्षा विभाग के तहत कार्यरत राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) पूरे देश में पढ़ने की संस्कृति के संवर्धन और सुदृढ़ करने के उद्देश्य से कई पहल करता है। इन पहलों में पुस्तक मेलों का आयोजन, साहित्यिक कार्यक्रम, प्रदर्शनी तथा अन्य जनसंपर्क कार्यकलाप शामिल हैं, जिनका उद्देश्य पुस्तकों तक पहुँच को बढ़ाना और पठन की आदत को प्रेरित करना है।

एनबीटी ने 10 जनवरी से 18 जनवरी 2026 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में "भारतीय सैन्य इतिहास: शौर्य और ज्ञान @75" विषय पर नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले 2026 का आयोजन किया है। इस पुस्तक मेले में 1,004 प्रकाशकों सहित 37 देशों ने सहभागिता की, जिसमें क़तर को गेस्ट ऑफ ऑनर देश के रूप में आमंत्रित किया गया था।

उच्चतर शिक्षा विभाग (डीओएचई), शिक्षा मंत्रालय राष्ट्रीय पुस्तक न्यास (एनबीटी) को पुस्तक मेलों के आयोजन सहित उसके कार्यकलापों के संचालन हेतु अनुदान प्रदान करता है। इसी क्रम में, नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला (एनडीडबल्यूबीएफ़) 2026 का आयोजन एनबीटी द्वारा डीओएचई से प्राप्त अनुदान और उसकी आंतरिक राजस्व सृजन (आईआरजी) के सहयोग से किया गया है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला (एनडीडबल्यूबीएफ़) 2026 के दौरान कई महत्वपूर्ण पहलें की गईं हैं। इनमें विशेष रूप से विकसित भारत पर केंद्रित एक समर्पित बाल मंडप की स्थापना, पीएम-युवा मेंटरशिप योजना 3.0 के तहत पूरे देश से चुने गए 22 भारतीय भाषाओं और अंग्रेज़ी का प्रतिनिधित्व करने वाले 43 पीएम-युवा लेखकों के लिए दो दिवसीय राष्ट्रीय शिविर, तथा भारतीय भाषा प्रकाशकों के लिए विशेष हॉल का प्रावधान आदि शामिल है।

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला (एनडीडबल्यूबीएफ़) 2026 ने कई उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की है। इसमें अंतर्राष्ट्रीय बी2बी प्लेटफ़ॉर्म जैसे नई दिल्ली अधिकार तालिका की सुविधा दी गई, जिसके परिणामस्वरूप 600 से अधिक व्यावसायिक बैठकें आयोजित हुई है। इस मेले में सात देशों — चेक गणराज्य, जर्मनी, इटली, मेक्सिको, दक्षिण कोरिया, स्वीडन और तुर्की — के प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय पुस्तक मेलों के निदेशकों ने भी भाग लिया। इसके अतिरिक्त, पूरे देश के आठ साहित्यिक महोत्सवों ने "महोत्सवों का उत्सव" मंच के अंतर्गत अपने कार्यक्रम और सत्र आयोजित किए। एनडीडब्ल्यूबीएफ 2026 में 20 लाख से अधिक लोगों की उपस्थिति दर्ज की गई है।

*****